EPCH हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद्
Connecting. Empowering. Transforming.
EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

प्रेस विज्ञप्ति

इंडिया इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी एक्सपो (आईएचई 2026) में ईपीसीएच पवेलियन ने आतिथ्य क्षेत्र के लिए भारतीय शिल्प कौशल का किया प्रदर्शन

हस्तशिल्प निर्यातक एवं कारीगर होटलों, रेस्तरां एवं कैटरिंग प्रतिष्ठानों के लिए डिजाइन-आधारित, हस्तनिर्मित एवं सतत उत्पादों का कर रहे हैं प्रदर्शन

दिल्ली/एनसीआर, 05 अगस्त 2026: हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) अपने समर्पित ईपीसीएच पवेलियन के माध्यम से हॉस्पिटैलिटी एवं होरेका क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप हस्तनिर्मित उत्पादों की एक विशिष्ट श्रृंखला का प्रदर्शन इंडिया इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी एक्सपो (आईएचई 2026) के 9वें संस्करण में कर रही है । इस प्रदर्शनी का आयोजन 5 से 8 अगस्त 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है।

ईपीसीएच पवेलियन का उद्घाटन ईपीसीएच के डॉ. नीरज खन्ना, अध्यक्ष; ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार तथा श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर प्रमुख सदस्य निर्यातक, भाग लेने वाले कारीगर एवं आतिथ्य उद्योग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर **डॉ. नीरज खन्ना, अध्यक्ष, ईपीसीएच** ने कहा, "हॉस्पिटैलिटी उद्योग भारतीय हस्तशिल्प निर्माताओं, निर्यातकों एवं कारीगरों के लिए व्यापक संभावनाएँ प्रदान करता है, क्योंकि होटल, रिसॉर्ट एवं रेस्तरां अपने अतिथियों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए लगातार विशिष्ट, सतत एवं डिजाइन-आधारित उत्पादों की तलाश में रहते हैं। विविध सामग्रियों, तकनीकों एवं क्षेत्रीय शिल्प परंपराओं से समृद्ध भारतीय हस्तशिल्प समकालीन आतिथ्य स्थलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूर्णतः सक्षम है।"

डॉ. खन्ना ने आगे कहा, "आईएचई 2026 में ईपीसीएच पवेलियन के माध्यम से हम अतिथि कक्षों, रेस्तरां, लॉबी, बैंक्वेट हॉल, वेलनेस स्पेस एवं आउटडोर क्षेत्रों के लिए भारतीय हस्तशिल्प की अनुकूलित समाधान विकसित करने की क्षमता प्रस्तुत कर रहे हैं। यह भागीदारी हमारे निर्यातकों एवं कारीगरों को संस्थागत खरीदारों से सीधे जुड़ने तथा अग्रणी हॉस्पिटैलिटी ब्रांडों के साथ दीर्घकालिक सोर्सिंग संबंध विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी।"

ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, "आईएचई आज एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक मंच के रूप में स्थापित हो चुका है, जो आपूर्तिकर्ताओं को उन निर्णयकर्ताओं से जोड़ता है जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे आतिथ्य अवसंरचना क्षेत्र को दिशा दे रहे हैं। सोर्सिंग विशेषज्ञों, होटल मालिकों, इंटीरियर डिजाइनरों, वास्तुकारों एवं परियोजना सलाहकारों की उपस्थिति हस्तशिल्प निर्माताओं को संस्थागत खरीद

आवश्यकताओं को समझने तथा नवाचारी, अनुकूलित एवं बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराए जा सकने वाले समाधान प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करती है।"

उन्होंने आगे कहा, "भारत का हॉस्पिटैलिटी उद्योग अपने प्रतिष्ठानों के डिज़ाइन में स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक विरासत एवं सतत सामग्रियों को तेजी से अपना रहा है। इससे हमारे निर्यातकों, कारीगरों एवं उद्यमियों के लिए होटलों एवं रेस्तरां के साथ उत्पाद विकास, इंटीरियर स्टाइलिंग तथा विशेष रूप से तैयार संग्रह विकसित करने का स्वाभाविक अवसर उत्पन्न होता है। हस्तनिर्मित उत्पादों को हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला से जोड़कर हम नई मांग उत्पन्न कर सकते हैं, कारीगरों की आजीविका को सुदृढ़ कर सकते हैं तथा भारतीय शिल्प कौशल को आधुनिक आतिथ्य डिज़ाइन का अभिन्न अंग बना सकते हैं।"

श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच ने कहा, "आईएचई 2026 में ईपीसीएच की भागीदारी ने हस्तशिल्प एवं आतिथ्य क्षेत्रों के बीच प्रत्यक्ष व्यावसायिक संपर्क स्थापित किया है। प्रदर्शक ऐसे उत्पाद प्रस्तुत कर रहे हैं जिन्हें होटल, रेस्तरां, रिसॉर्ट एवं कैटरिंग प्रतिष्ठानों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप आकार, फिनिश, सामग्री, रंग, ब्रांडिंग एवं मात्रा के अनुसार अनुकूलित किया जा सकता है। हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र भारतीय हस्तशिल्प के लिए एक महत्वपूर्ण घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार के रूप में उभर सकता है। शिल्प उद्यमों एवं होरेका खरीदारों के बीच अधिक सहयोग न केवल निर्यातकों के लिए नए व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करेगा, बल्कि देश के प्रमुख शिल्प क्लस्टरों में कारीगरों के लिए निरंतर मांग भी सुनिश्चित करेगा।"

श्री रावत ने आगे कहा, "इस संस्करण में ईपीसीएच के 7 सदस्य निर्यातक भाग ले रहे हैं, जो होम डेकोर, ग्लासवेयर, फर्नीचर, हाउसवेयर, कालीन, किचनवेयर, घरेलू उपयोग के उत्पाद, जूट उत्पाद आदि का प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ईपीसीएच ने मास्टर शिल्पकारों/कारीगरों द्वारा भारतीय पारंपरिक शिल्पों के लाइव डेमोंस्ट्रेशन सहित एक विशेष थीमैटिक डिस्प्ले भी स्थापित किया है। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा आगरा से जरी-जरदोजी, अल्मोड़ा से लोक चित्रकला, देहरादून से मोमबत्ती शिल्प, दिल्ली से पेपर मेशी एवं फ्यूजन क्राफ्ट, गुरुग्राम से ड्राई फ्लावर क्राफ्ट, होशियारपुर से होम डेकोर, कोलकाता से ग्रास फाइबर क्राफ्ट, लखनऊ से चिकनकारी तथा प्रयागराज से गुड़िया एवं खिलौना शिल्प के मास्टर शिल्पकारों/कारीगरों को प्रतिनियुक्त किया गया है।

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और देश के विभिन्न शिल्प क्लस्टरों में घरेलू, लाइफस्टाइल, फर्नीचर तथा फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज़ उत्पादों के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के प्रतिभाशाली हाथों के जादू की ब्रांड छवि बनाने के लिए एक नोडल संस्था है । ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,168 करोड़ रुपये यानी 3,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर रहा ।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच

+91-9810423612

EPCH हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् Connecting. Empowering. Transforming.

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

CIN: U20299DL 1986NPL023253 | GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

PRESS RELEASE

EPCH Pavilion Showcases Indian Craftsmanship for the Hospitality Sector at India International Hospitality Expo (IHE 2026)

Handicraft exporters and artisans presents design-led, handcrafted and sustainable products for hotels, restaurants and catering establishments

Delhi/NCR, 05th August 2026: The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH), through its dedicated EPCH Pavilion is showcasing an exclusive range of handcrafted products tailored for the hospitality and HORECA sectors at the 9th edition of the India International Hospitality Expo (IHE 2026), being held from 5th to 8th August 2026 at the India Expo Centre & Mart, Greater Noida.

The EPCH Pavilion was inaugurated by Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH in the august presence of Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH and Chairman, IEML and Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH along with prominent member exporters, participating artisans and representatives of the hospitality industry.

Speaking on the occasion, **Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH**, said, "The hospitality industry offers substantial opportunities for Indian handicraft manufacturers, exporters and artisans as hotels, resorts and restaurants increasingly seek distinctive, sustainable and design-led products to create memorable guest experiences. Indian craftsmanship, with its diversity of materials, techniques and regional identities, is uniquely positioned to meet the requirements of contemporary hospitality spaces."

Dr. Khanna further said, "Through the EPCH Pavilion at IHE 2026, we are presenting the strength of Indian handicrafts in developing customised solutions for guest rooms, restaurants, lobbies, banqueting areas, wellness spaces and outdoor environments. The participation will enable our exporters and artisans to engage directly with institutional buyers and develop long-term sourcing relationships with leading hospitality brands."

Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH and Chairman, IEML, said, "IHE has emerged as an important business platform connecting suppliers with the decision-makers who shape India's rapidly expanding hospitality infrastructure. The presence of sourcing professionals, hotel owners, interior designers, architects and project consultants provides handicraft manufacturers with an opportunity to understand institutional sourcing requirements and offer innovative, customised and scalable solutions."

He further added, "India's hospitality industry is increasingly integrating local identity, cultural narratives and sustainable materials into property design. This creates a natural opportunity for our exporters, artisans and entrepreneurs to collaborate with hotels and restaurants on product development, interior styling and bespoke collections. By bringing handcrafted products closer to the hospitality value chain, we can generate new demand, strengthen artisan livelihoods and position Indian craftsmanship as an integral part of modern hospitality design."

Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH, said, “EPCH’s participation at IHE 2026 has created a direct business linkage between the handicrafts and hospitality sectors. The exhibitors are showcasing products that can be adapted in terms of dimensions, finishes, materials, colours, branding and quantities to meet the specific requirements of hotels, restaurants, resorts and catering establishments. The hospitality sector can become a significant domestic and international market for Indian handicrafts. Greater collaboration between craft enterprises and HORECA buyers will not only expand business opportunities for exporters but will also create sustained demand for artisans across major craft clusters of the country”

Shri Rawat further said, “in this edition, 7 member exporters are participating and displaying Home Décor, Glassware, Furniture, Houseware, Carpets, Kitchenware, Household Products, Jute products etc. To promote Indian Handicrafts, EPCH has setup Thematic Display with live demonstration of Indian Traditional Crafts by Master Craftspersons / Artisans. The office of Development Commissioner [Handicrafts], Ministry of Textiles, Govt. of India has deputed Master Craftspersons/ Artisans of Zari Zardozi from Agra, Folk Painting from Almora, Candle from Dehradun, Paper Mache, Fusion Craft from Delhi, Dry Flower from Gurgaon, Home Decore from Hoshiarpur, Grass Fiber Craft from Kolkata, Chickenkari from Lucknow and Doll & Toys from Prayagraj.

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal institute for promotion of exports of handicrafts from the Country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of craftspersons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture and fashion jewellery & accessories products in different craft clusters of the Country. The overall Handicrafts exports during the year 2025-26 was Rs. 33,168 Crores (US $ 3,754 Million) informed by Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH.

For more information please contact:
Mr. Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH
+91-9810423612

Encl: Hindi, English version with Photos

Photo 1 & 2: EPCH India Pavilion got inaugurated by Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH in the august presence of Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH & Chairman, IEML and Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH alongwith prominent member exporters, participating artisans and representatives of the hospitality industry at India International Hospitality Expo (IHE 2026), India Expo Centre & Mart, Greater Noida.

Photo 3: Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH alongwith Dr. Rakesh Kumar, Director General in the role of Chief Mentor, EPCH and Chairman, IEML and other dignitaries interacted with artisans participating in India International Hospitality Expo (IHE 2026), India Expo Centre & Mart, Greater Noida.

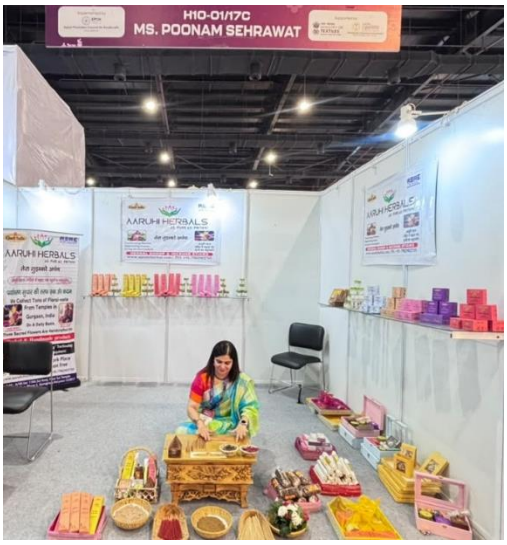

Photo 4: Live craft demonstration by craftperson deputed by O/o Development Commissioner (Handicrafts) Ministry of Textiles, Govt. of India during at India International Hospitality Expo (IHE 2026), India Expo Centre & Mart, Greater Noida.